नारीलोक

नवम्बर 2022 अंक 292

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

आइए आज राह बनाते हैं लक्षित मंजिल की दिशा में, पर शर्त यह है कि आपकी नजर राह पर रहे... मंजिल पर नहीं। तो चलिए!! बढ़ते हैं उस फार्मूला की तरफ जो हमें कभी थकने, कभी हारने नहीं देगा।

Put one brick in a day.

NOW से बड़ा शब्द हमारी डिक्शनरी में नहीं है।

जो व्यतीत हो गया, वो अतीत हो गया। जो अदृश्य है, वह भविष्य है और जिसका हमें ज्ञान है, बस वही वर्तमान है। NOW का वर्तमान से सीधा नाता है, तो वर्तमान में, आज में, अभी में जीना सीखते हैं।

कैसे होगा? हम कैसे कर पाएंगे? चाहते तो हैं कुछ बड़ा करना, कुछ अलग करना, कोई प्रतियोगिता जीतना, कोई बिजनेस करना, बड़े पदों पर कार्य करना, किताब लिखना, वजन कम करना, अवार्ड पाना या फिर किसी भी सही तरीके से बड़ा व famous व्यक्ति बनना पर... लगता है कि आसान थोड़े ही है, वो और लोग होंगे जो कर गुजरते होंगे। क्या ऐसा सिर्फ आप सोचते हैं? नहीं!! दुनिया के हर कामयाब व्यक्ति को कुछ कर गुजरने से पूर्व यही घबराहट हुई है। दूर और इतिहास के उदाहरण ना दोहराकर नजदीक की बात भी करूं तो नीरज चोपड़ा, सानिया नेहवाल, सुंदर पिच्चई, पराग अग्रवाल आदि के जीवन के कुछ पन्नों को पलटो तो पता चलेगा कि आरंभ में यह भी घबराए हुए थे। लेकिन एक दिन अचानक उन्हें एक फार्मूला मिल गया उसे जीवन में apply किया।

Live one day at a time... Put one brick in a day. हमें जीने के लिए रोज एक ही दिन मिलता है तो उस एक दिन में हम चार–आठ बरस क्यों जीना चाहते हैं। यह तो प्रकृति के विरुद्ध एक चेलेंज हो गया और प्रकृति के साथ चेलेंज में कोई विजयी नहीं होता। तो छोड़िए कल की चिंता... भूल जाइए कि सपनों का महल कैसे खड़ा होगा। बस आज एक ईंट रख दीजिए। सिर्फ आज की एक ईंट, यह काफी है। भूल जाइए कि आपको पहाड़ जितना कार्य करना है। आपको पूरा syllabus खत्म करना है। आज के 10 पन्ने पढ़ लीजिए काफी है। क्यों सोचना है 20 किलो कम करना है। बस आज diet और व्यायाम कीजिए, यह काफी है। Just put one brick today. फिर आप देखेंगे, पूरा syllabus खत्म हो गया। सपनों का आलीशान महल खड़ा हो गया और आपको पता भी नहीं चला। स्थितियां उतनी मुश्किल नहीं है जितनी हमने अपने दिमाग में उसे मुश्किल बना लिया है। हमें खुद से वादा करना है कि लक्ष्य की तरफ एक कदम का... एक ईंट का... ना कम ना ज्यादा, वर्तमान में जीना, आज का कार्य आज करना। बस इससे बड़ा success मंत्र और कोई नहीं, Now से बड़ा शब्द हमारी डिक्शनरी में नहीं। जीवन में किसी भी कार्य या जिम्मेदारी में आगे का डर क्यों सताए। सब कुछ आज ही थोड़ी करना है। हां! आज का कार्य आज ही करना है। बस इतना सा लक्ष्य बनाइए और हर रोज एक ईंट लगाते रहिए। हालात को ऐसा ना होने दें कि आप हिम्मत हार जाए, हिम्मत को ऐसे रखो कि हालात हार जाए।

हिम्मत, साहस और उत्साह का प्रवाह तभी गतिमान रह सकता है जब हम प्रकृति द्वारा निर्धारित कुछ laws, नियम को समझने का प्रयास करें। तो क्यों ना जान लिए जाएं उन laws को जो हमारे जीवन के हर पहलू को सुदृढ़ बनाते हैं।

The great law - जो भी हम universe को देते हैं, वो निश्चित तौर पर हमारे पास लौट कर आता है। Echo Effect सृष्टि का शाश्वत नियम है।

The law of Creation - जन्म मिलता है, जीवन निर्मित करना पड़ता है। जैसी खाद मिलेगी वैसा वृक्ष निर्मित होगा।

The law of Humility - किसी भी आदत को बदलने के लिए उसे स्वीकार करना पड़ता है। किसी भी आदत को बदलने की प्रथम सीढ़ी है उसे स्वीकार करना और फिर बदलाव की दिशा में आगे बढ़ना।

The law of Growth - हमारा विकास निर्धारित है। विकास तो निश्चित तौर पर होगा, बस उसकी दिशा तय करनी है।

The law of Responsibility - आज हम जैसे भी हैं, उसकी जिम्मेदारी हमारी अपनी है। कमजोर व्यक्ति अपनी कमियों की चादर किसी और पर डालते हैं और सशक्त व्यक्ति उसे सुधारने में लग जाते हैं।

The law of Connection - भूत, वर्तमान और भविष्य का सदैव संबंध रहा है और रहेगा। इस नियम को अस्वीकार नहीं किया जा सकता।

The law of Change - स्वीकार करें कि युग एवं समय परिवर्तनशील है। समय के साथ चलने की समझदारी दिखानी होगा।

The law of Focus - हम एक साथ, एक समय दो चीजे नहीं सोच सकते। दो बातों पर ध्यान देने से निष्पत्तिजनक कार्य नहीं हो पाता।

इन नियमों को जानते–समझते हुए हर दिन एक ईंट लगाते रहिए, ईमारत स्वयं तैयार होगी। स्वप्न जरूर साकार होंगे।

शुभम अस्तु...

स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

आदमी केवल स्वार्थ के लिए ही न जीए, परार्थ के लिए भी जीने का प्रयास करे। परोपकार से आदमी के पुण्य का बंध भी होता है और पवित्र काम भी होता है। जो दूसरों का भला करेगा, उसका तो भला अपने आप ही हो जाता है। दूसरों का हित करने वाला, दूसरों का कल्याण करने वाला अपना भी हित और कल्याण कर लेता है। दूसरों का बुरा करने वाला अपना भी बुरा कर लेता है। इसलिए किसी का अपकार नहीं, हो सके तो किसी के कल्याण का प्रयास करना चाहिए।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध मौन

इस वर्ष नवरात्रि से शृंखलाबद्ध मौन का शुभारंभ हुआ और आत्मतोष का विषय है कि इस शृंखला में शाखाओं ने अपनी सहभागिता अति उत्साह के साथ दर्ज करवाई है। आगे भी इस रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। शृंखलाबद्ध मौन में संबद्ध होने वाली शाखाएं इस प्रकार हैं :–

सितम्बर-अक्टूबर माह में शृंखलाबद्ध मौन

26 सितम्बर – गुडगांव	– 13	11 अक्टूबर – सेलम	– 07
27 सितम्बर – वापी	– 51	12 अक्टूबर – विजयनगर बेंगलुरु	– 35
28 सितम्बर – सोलापुर	– 05	13 अक्टूबर – दलखोला	– 08
29 सितम्बर – बाड़मेर	– 22	14 अक्टूबर – पचपदरा	– 12
30 सितम्बर – के.जी.एफ.	– 04	15 अक्टूबर – नोएडा	– 28
01 अक्टूबर – बीदासर	– 42	16 अक्टूबर – काठमांडू	– 21
02 अक्टूबर – लुधियाना	– 13	17 अक्टूबर – बिराटनगर	– 09
03 अक्टूबर – टापरा	– 03	18 अक्टूबर – बीरगंज	– 11
04 अक्टूबर – पर्वतपाटिया	– 15	19 अक्टूबर – राजबिराज	– 07
05 अक्टूबर – मुम्बई	–1134	20 अक्टूबर – धुलाबाड़ी	– 03
06 अक्टूबर – कांकरोली	– 175	21 अक्टूबर – धरान	– 06
07 अक्टूबर – लाडनूं	– 31	22 अक्टूबर – जयपुर शहर	– 02
08 अक्टूबर – बंगईगांव	– 03	23 अक्टूबर – भीम	– 01
09 अक्टूबर – जयगांव	– 09	24 अक्टूबर – सेमड़	– 01
10 अक्टूबर – काकीनाड़ा	– 02	25 अक्टूबर – बेलपाड़ा	– 01

शृंखलाबद्ध मौन में तिथि आरक्षण हेतु Google Form Link :

https://forms.gle/RmgAXfRe3sVS3oGK7 (Touch the link to open Google Form)

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका श्रीमती जयंती सिंघी मो. 86906 66015

करणीय कार्य

प्रतिदिन **एक** क्षेत्र **24** घण्टे

सूर्योदय से अगले दिन सूर्योदय तक मौन साधना करने के लिए श्रावक/श्राविकाओं को प्रेरित करें एवं अपने क्षेत्र में इस आध्यात्मिक प्रवृत्ति से अधिकाधिक श्रावक–श्राविकाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखें।

'निर्माण' के अन्तर्गत
उम्मीद... एक बेहतर कल की

कहां करें?	किसके लिए?	कब करें?	कैसे करें?
सरकारी/BPL स्कूलों में	5वीं से 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए	मार्च 2023 तक सम्पन्न करें	विवरण अधोलिखित

कार्यप्रणाली

उम्मीद एक बेहतर कल की – जैसा कि नाम से स्पष्ट है, इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य है बच्चों में सद्संस्कारों का बीज बोकर देश के सुन्दर भविष्य का निर्माण करना। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत आपको पांचवी कक्षा से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 8 कार्यशालाओं का आयोजन करना है।

कार्यशाला के विषय इस प्रकार रहेंगे :–

- ईमानदारी (Honesty)
- सत्य (Truthfulness)
- माता–पिता की आज्ञा का पालन (Obeying Parents)
- बुजुर्गों की सेवा (Serving Elders)
- परोपकार (Helping Others)
- सत्संगति (Good Company)
- दया (Kindness)
- मीठी वाणी (Speaking Nicely)

कार्यशाला का प्रारूप इस प्रकार रहेगा :–

- महाप्राण ध्वनि का प्रयोग – 9 बार
- उपरोक्त आठ विषयों में से किसी एक विषय पर बच्चों को कहानी सुनाएं। (5 से 7 मिनट)
- कहानी सुनाने के पश्चात् बच्चों से उस विषय पर चर्चा करें। जैसे सत्य बोलने के क्या लाभ हैं, झूठ बोलने से क्या हानियां है, इत्यादि। सुनिश्चित करें बच्चों की सहभागिता अधिक से अधिक हो। (5 से 7 मिनट)
- किसी महापुरुष के जीवन का कोई प्रेरक प्रसंग बच्चों को सुनाएं। जैसे – धाय मां पन्ना, महात्मा गांधी, घनश्यामदास बिड़ला, ईश्वरचन्द विद्यासागर, आदि। (5 से 7 मिनट)
- अधोलिखित किसी एक समसामयिक विषय पर बच्चों को जानकारी प्रदान करें। प्रयास करें कन्या मंडल अथवा नवयुवती बहनें नाटिका (Skit) द्वारा बच्चों को समझाए। (5 से 7 मिनट)

समसामयिक विषय :–

- वातावरण की स्वच्छता - Keeping your environment clean
- व्यक्तिगत स्वच्छता - Personal hygiene
- Good Touch & Bad Touch. If girls school, then Menstrual hygiene.
- शिक्षा/पुस्तकों का महत्व
- पान–गुटखा, नशा आदि के नुकसान
- Skit on Healthy Food Habits - Avoid Junk Food
- Save Water & Electricity
- समय का सदुपयोग
- Social Media का सही उपयोग – अधिक उपयोग से होने वाली हानियां

- एकाग्रता बढ़ाने के लिए बच्चों को सूक्ष्म व्यायाम व मुद्राओं का प्रयोग कराएं।
- अगली कार्यशाला के विषय पर दो बच्चों को कहानी तैयार कर लाने के लिए कहें और उन्हें प्रस्तुति का अवसर दें।
- कार्यशाला को अनुप्रेक्षा के प्रयोग से सम्पन्न करें :–
  मैं स्वस्थ हूं, मेरे कण–कण में स्वास्थ्य का संचार हो रहा है।
  मैं शक्तिशाली हूं, मेरे कण–कण में शक्ति का संचार हो रहा है।
  मैं प्रसन्न हूं, मेरे कण–कण में प्रसन्नता का संचार हो रहा है।
  मैं बुद्धिमान हूं, मेरे कण–कण में बुद्धि का संचार हो रहा है।

विशेष

- आप एक महीने में न्यूनतम दो और अधिकतम 4 कार्यशालाएं आयोजित कर सकते हैं।
- नवयुवतियों व कन्याओं को इस प्रोजेक्ट से अवश्य जोड़ें।
- हर कार्यशाला में करने वाले विद्यार्थियों को आप छोटे–छोटे ईनाम देकर उनका उत्साहवर्द्धन करें।
- अन्तिम कार्यशाला में विद्यार्थियों को gifts दिए जा सकते हैं।
- प्रत्येक कार्यशाला में रोचकता बनाए रखें।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका श्रीमती सुनीता जैन मो. 9868516242

तालमेल

Balancing Work & Home

महिलाओं द्वारा परिवार एवं कार्यक्षेत्र में कैसे हो तालमेल?

कामकाजी महिलाओं द्वारा परिवार एवं व्यावसायिक क्षेत्र में सामंजस्य हेतु विशेष प्रशिक्षण

व्यवसायरत महिलाओं के व्यापारिक वृद्धि में सहयोग

महिलाओं का हो Economic Empowerment
महिला सशक्तिकरण हेतु अभातेममं का Commitment

- तेरापंथी महिलाएं जो किसी भी व्यवसाय या कार्यक्षेत्र से जुड़ी हैं, उनसे अनुरोध कि स्वयं को हमारे database में जोड़ें।
- कामकाजी एवं व्यावसायिक महिलाओं को परिवार एवं व्यवसाय में तालमेल रखने का सघन प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- महिलाओं के आर्थिक सुदृढ़ीकरण एवं व्यावसायिक क्षेत्र में प्रगति करने हेतु अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल सेतु बनेगा।
- आप या आपके परिवार में यदि कोई महिला किसी भी व्यवसाय या पेशे से जुड़ी हो तो इससे जुड़कर अपने व्यवसाय को देशव्यापी बनाएं।

व्यावसायिक महिलाओं के नाम Google Form https://tinyurl.com/2p8sxwh5 पर register करें।

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें

संयोजिका श्रीमती ज्योति जैन मो. 9339878262

उपरोक्त प्रोजेक्ट में कुछ शाखा मंडलों ने कार्य करते हुए हमें data उपलब्ध कराए हैं।
अभी भी कई शाखाओं ने इस कार्य को गति प्रदान नहीं की है।
समस्त शाखा मंडल से अनुरोध है कि इसे प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को 15 जनवरी 2023 तक सम्पन्न करें
और हमारी अपनी बहनों के Economic Empowerment हेतु योगभूत बनें।

Membership Drive

सदस्यता अभियान

हम हमारा नैतिक दायित्व है कि समाज की प्रत्येक महिलाओं को मंडल का सदस्य बनाते हुए उन्हें जोड़ने का प्रयास करें। अभातेममं इस हेतु सदस्यता अभियान गतिशील है। समस्त शाखा मंडल से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र की समस्त तेरापंथी महिलाओं को मंडल से जोड़ने का पुरजोर प्रयास करें।

31 जनवरी 2023 तक आप अधिकाधिक सदस्य बनाकर संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी मो. 98796 33133 को नए सदस्यों का फॉर्मेट अनुसार विवरण अवश्य भेजें।

सामर्थ्य

Basic Digital Literacy

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा नारी शक्ति के सर्वांगीण उन्नयन हेतु समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसी शृंखला में डिज़िटल युग में हमारी बहनें सक्षम बन सके, इस हेतु सक्षम प्रोजेक्ट के तहत विशेष कंप्यूटर प्रशिक्षण का कार्यक्रम किया जा रहा है । सभी बहनें इस अभियान के साथ जुड़ कर कंप्यूटर के निम्नलिखित विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर पाएगी।

Essential tools of Computers

– A special computer education initiative by ITGuruji

MS Office

- MS Word
  - Effective Letter Drafting (Hindi/English Language)
  - Report Drafting
  - Organizing Files and Folders
  - Useful tools of MS Word
- MS Excel
  - Data Management
  - Pivot Tables & Charts
  - Formulas
  - Reporting
- MS Power Point
  - Effective Presentation Creation

Digital Marketing

- Introduction to Digital Marketing
- Facebook / Instagram Marketing
- Google Ads
- Email and WhatsApp Marketing
- Blog Creation

Other Details:

- Start Date : 21st November to 9th December 2022
- Timings : 2.00 p.m. to 3.00 p.m.
- Duration: 15 Days (Monday through Friday)
- Fees: Rs.250/- Per Student
- Last date for Registration : 18th November 2022
- Mode for Live Classes: Via Zoom App
- Video Tutorials will be on ITGuruji Android App
- Payment Link: https://rzp.io/l/ABTMMSaksham

QR Code for Payment Link

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
संयोजिका
श्रीमती नीतू बैद मो. 99241 80371

काव्यामृतम् काव्यशाला

गत माह 'प्रकाश' शब्द पर अनेक प्रवृष्टियाँ प्राप्त हुई। आप सबकी सृजन क्षमता को साधुवाद। अति सुंदर शब्दों का चयन एवम संयोजन मानो मोतियों की कतार जैसी सजी हुई शब्दाक्षरी। इस क्षमता का विकास निरंतर करना है और अपनी लेखनी को और अधिक समृद्ध बनाने का प्रयास करना है।

ब्रह्म शब्द 'प्रकाश' पर चयनित कविता

दीप द्वार प्रकाश करे, तमस हरते घोर।
देते नित संदेश यह, आयेगी नव भोर ।।
प्रकाश का यह पिण्ड है, सौर जगत में अर्क ।
प्रकाश का यह सार कुल, तारामंडल तर्क ।।
करते धरा प्रकाश है, दाता सूर्य सदैव ।
सृष्टि का विकास करे, सदा हर्ष में जैव ।।
इस प्रकाश के पर्व पर, खुशियों की बौछार।
दीप शहीद द्वार जले, हर गए अंधकार ।।
दीपों से मिल कीजिए, रजनी का शृंगार ।
धरणी का आँचल सजे, प्रकाश का त्यौहार।।
ज्ञान प्रकाशित गुरु करे, बन कर आभा दीप ।
चाँद–सूरज तमस हरे, खगोली के समीप ।।
निशा वीर निर्वाण की, शोभित प्रकाश पर्व ।
प्रकाश 'केवल ज्ञान' का, गौतम स्वामी सर्व ।।

कनकलता जैन, गुवाहाटी

इस माह का ब्रह्म शब्द : **साहित्य**

- काव्यामृतम काव्यशाला फेसबुक ग्रुप पर आप स्वयं पोस्ट कर सकते हैं।
- उपरोक्त ब्रह्म शब्द पर 20 नवम्बर 2022 तक प्राप्त प्रविष्टियां ही मान्य होगी।
- 16 लाइन से बड़ी कविता ना लिखें।

काव्यामृतम् काव्यशाला का फेसबुक ग्रुप है :–
www.facebook.com/groups/418110360344800/

The Power of Positivity

शिल्पशाला

सकारात्मक सोच के benefits

- Stress को न्यूनतम करने की क्षमता का विकास +
- हर problem का solution निकालने की क्षमता +
- हर परिस्थिति को दिल से स्वीकार करने की क्षमता +
- सफलता का मंत्र +
- Depression का risk कम +
- अनेक बीमारियों से निजात +
- सदैव खुशहाल रहने की क्षमता +

कैसे हो सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास ?

1. सीमित विश्वास से छुटकारा / सोच का दायरा बढ़ाना
2. हर नकारात्मक सोच पर pause-stop-change
3. सकारात्मक सोच वालों के साथ समय व्यतीत करना
4. अपनी vocabulary पर पहरा बिठाना
5. अधिकतम समय स्वयं पर केन्द्रित करने का अभ्यास
6. समूह में औरों की बातें करने वालों को कहें bye-bye

परिवर्तन की प्रक्रिया

Dream It

Plan It

Achieve It

नकारात्मक attitude to	→	सकारात्मक attitude
नकारात्मकता को break करें	→	सकारात्मकता को build करें
बहस कम करें	→	चिन्तन अधिक करें
नकारात्मक विचार लिखें और फाड़ दें	→	सकारात्मक विचार लिखें और पढ़ते रहें
बाहर की दुनिया से 20 मिनट pause लें	→	भीतरी दुनिया में vacation मनाएं

उपरोक्त बिन्दुओं को समाविष्ट करते हुए अपने क्षेत्र में The Power शिल्पशाला का आयोजन नवम्बर माह में अवश्य करें।

कन्या मंडल

पाएं अपना IKIGAI

IKIGAI - Make your life Light house

भारत और अन्य देशों से कुछ मामलों में जापानी अलग माने जाते हैं। उन्हें पता है कि उनकी जिन्दगी का लक्ष्य क्या है। अगर उन्हें लक्ष्य नहीं पता, तो उसका पता लगाने में लगे रहते हैं। जापानियों की खुशहाली और लम्बी उम्र एक ऐसी बात है जो उन्हें दूसरों से खास बनाती है। वजह है उनके पास जिन्दगी की Ikigai का होना। यह एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है जीवन का लक्ष्य या जीवन की सार्थकता।

हम सभी में अपना Ikigai छुपा होता है। सबसे पहले उसे पहचानना है और उसे अपना लक्ष्य बनाना है। एक बार Ikigai मिल गया तो जीवन की सार्थकता का संदेश मिल जाएगा।

करणीय कार्य

नवम्बर माह में सभी कन्याएं निम्न बिन्दुओं पर चर्चा कर अपना IKIGAI पाएं।

I – इम्तिहान लें अपने आप का – जिससे अपने अन्दर छुपे हुए हुनर को ढूंढ कर अपना लक्ष्य बनाएं।

K – करिश्मा दिखाएं कला का – ऐसा काम जो आपको बेहद पसन्द है जिसे आप अपनी hobby भी बना सकते हैं।

I – इस्तेमाल करें दिमाग का – अपनी hobby को अपने profession के रूप में कैसे अपना लक्ष्य बनाएं, ऐसे पसंदीदा कार्यों की सूची बनाएं। जैसे accountancy, digital marketing, fashion designing आदि।

G – ग्रुप डिस्कशन – क्षेत्र की सभी कन्याएं मिल कर अपनी hobby को passion vocation mission में कैसे बदल कर अपनी जिन्दगी का लक्ष्य बना जीवन को सार्थक बना सकते हैं, इस पर चर्चा करें।

A – आदत बनाएं नई सोच की – Group Discussion में की गई चर्चा से प्राप्त नई सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें।

I – इज्जत करें अपने लक्ष्य की – बनाए गए लक्ष्य को active and positive attitude के साथ पूर्व सचेत रह कर अपना Ikigai प्राप्त कर भविष्य को सार्थक बनाने की तरफ कदम बढ़ाएं।

NURTURING FUTURE LEADERS

(Zoom Workshop)

नवम्बर माह की कार्यशाला – दि. 26 नवम्बर 2022

उधना कन्या मंडल

विषय– **Hack-a-Thon** (Secure future from cyber crime)

आगामी मासिक कार्यशालाओं हेतु संपर्क करें

श्रीमती अर्चना भण्डारी

कन्या मंडल प्रभारी, मो. 98100 11500

भावना सेवा

भावना सेवा
रास्ते की सेवा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा गुरुदेव के रास्ते की सेवा में चलाए जा रहे 'भावना' उपक्रम में शाखा मंडल अपनी सहभागिता निरन्तर दर्ज करवा कर निर्जरा की हेतु बन रही है। आप सभी के सेवा और समर्पण के प्रति साधुवाद। काफी शाखाओं ने अपने नाम दर्ज करवा लिए हैं। बाकी बची तिथियों हेतु शाखाओं से नम्र निवेदन कि अग्रिम बुकिंग खुलने पर त्वरित अपने नाम संयोजिका के पास आरक्षित करवा लें।

निम्नोक्त शाखाओं द्वारा भावना सेवा हेतु अग्रिम आरक्षण

9–15 नवंबर 2022	साउथ कोलकाता
9 नवंबर–9 दिसंबर 2022	विजयनगर, बेंगलुरु
7–13 दिसंबर 2022	उदयपुर
14–20 दिसंबर 2022	उधना
21–27 दिसंबर 2022	बारडोली
28 दिसंबर–3 जनवरी 2023	सवाई माधोपुर
4–10 जनवरी 2023	राजनगर
11–17 जनवरी 2023	रायपुर
18–24 जनवरी 2023	श्रीडूंगरगढ़
25–31 जनवरी 2023	साउथ हावड़ा
1–7 फरवरी 2023	काठमांडू
08–14 फरवरी 2023	सेमड़
15–21 फरवरी 2023	अहमदाबाद
22–28 फरवरी 2023	पीलीबंगा
1–7 मार्च 2023	औरंगाबाद
8–14 मार्च 2023	जयपुर शहर
15–21 मार्च 2023	हुब्बल्ली
22–28 मार्च 2023	कोयम्बत्तूर
29 मार्च–4 अप्रेल 2023	डूंगरी व वलसाड़
5–11 अप्रेल 2023	वापी
12–18 अप्रेल 2023	मैसुरु
19–25 अप्रेल 2023	धुबड़ी
26 अप्रेल–2 मई 2023	चिखली
3–9 मई 2023	अंकलेश्वर भरुच
10–16 मई 2023	पर्वतपाटिया
17–23 मई 2023	यशवन्तपुर, बेंगलुरु
24–30 मई 2023	हनुमंतनगर, बेंगलुरु

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें

संयोजिका श्रीमती सरिता डागा मो. 94133 39841

सह–संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी मो.98796 33133

पाती स्नेह भरी

प्यारी बहनों,

शुभं करोति कल्याणमारोग्यं धनसंपदा ।
शत्रुबुद्धिविनाशाय दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते ।।

प्रकाश एवं प्रसन्नता के पर्व की बहुत बहुत शुभकामनाएं। प्रकाश के इस त्यौहार में आध्यात्मिकता के साथ रिश्तों को सिंचन देने का प्रयास भी किया गया है।

गत माह आप सभी ने 'उत्सव रिश्तों का' खूब उत्साह के साथ मनाया। समस्त शाखाओं द्वारा प्रेषित रिपोर्ट एवं फोटो देखकर हृदय खुशी से तरंगित हो उठा। एक कार्यक्रम निर्धारण के पूर्व उसकी निष्पत्ति हेतु हृदय में हजार प्रश्न उठते हैं। लेकिन जब आपकी तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया आती है, तो हृदय आश्वस्त हो जाता है। दीपावली के अवसर पर आप सबने जो रिश्तों का उत्सव मनाया, वह अपने आप में बेमिसाल है। देवरानी–जेठानी के मधुर रिश्तों की नींव को उन्हीं की जुबानी आप सबने सुना और उससे स्वयं के रिश्तों को मधुर बनाने का प्रयास किया। दो अलग परिवेश, अलग माहौल से एक छत के नीचे आती है देवरानी–जेठानी और प्रेमपूर्वक अनेक वर्ष एक साथ रहने का अर्थ ही है रिश्तों को वास्तविक celebration. इस कार्यक्रम में सम्मिलित सभी देवरानी–जेठानी जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं।

हमारे परिवार का हिस्सा बन जाती है – हमारे घर पर हाथ बंटाने वाले हमारे domestic helpers. इन्होंने हमारे जीवन को सुगम बनाया है, हम उन्हें पगार तो देते हैं पर शायद हम उन्हें वह सम्मान नहीं दे पाते जिनके वो हकदार हैं। इस माह आप सबने Aid to Assisting Hands के अन्तर्गत हमारे domestic helpers के जीवन स्तर को उपर उठाने का प्रयास तो किया ही, साथ ही उन्हें उचित सम्मान भी दिया। आपकी मंडल की रिपोर्ट पढ़ कर आत्मिक संतोष की अनुभूति हुई। Right to Equality के तहत आपने यह कार्यक्रम बखूबी अंजाम दिया, तदर्थ समस्त शाखा मंडल को हार्दिक साधुवाद।

परिवार और समाज के बाद हम सब एक साथ साहित्य सृजन की तरफ आगे बढ़े। हिन्दी दिवस पर प्रारम्भ हुई काव्यामृतम् काव्यशाला के अन्तर्गत ब्रह्म शब्द 'क्षमा' पर 90 से अधिक एवं 'प्रकाश' शब्द पर 100 से अधिक काव्य रचनाओं की प्राप्ति हुई। कवयित्री बहनों को सहृदय साधुवाद। इस शृंखला में अभिवृद्धि होगी, ऐसी आशा रखती हूँ। निकट भविष्य में उत्कृष्ट काव्य रचना के गुर भी आपको सिखाए जाएंगे।

ज्ञानवर्द्धन हेतु Wisdom Wednesday एवं ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी में निरन्तर हजारों प्रविष्टियां प्राप्त हो रही है। ढेरों साधुवाद आपके ज्ञानार्जन पिपासा को। 'स्नेहम्' द्वारा आप सबने स्नेह की अनुपम धारा बहाई। तो वहीं Feed the Mind Library Project हेतु आप सब उत्साहित नजर आ रहे हैं। आप द्वारा संपादित श्रीउत्सव की तस्वीरें देखकर आपकी कर्मजा शक्ति को नमन करने का मन होता है। रूपांतरण थ्रू जैनिज्म की सीरिज को भी आपने बहुत अच्छे तरीके से संपादित करते हुए जैन धर्म के सूत्रों को दैनिक जीवन में अपनाने का प्रयास किया। उसी प्रकार आने वाले वर्ष में The Power शिल्पशाला को भी उतने ही गर्मजोशी से संपादित करते हुए जीवन को सार्थकता की ओर ले जाएंगे, ऐसा पूर्ण विश्वास है।

वर्ष भर की शृंखलाबद्ध नीवी की साधना को पूर्णता देने में आप सभी का अहर्निश श्रम लगा। आप सभी से आह्वान है कि शृंखलाबद्ध मौन को भी आप उसी आध्यात्मिक उत्साह एवं समर्पण से अंजाम दें एवं इन विविध प्रकार के आध्यात्मिक प्रयोग से अपने आत्मकल्याण में अग्रसर हों।

आपके क्षेत्र में विराजित चारित्रात्माओं के प्रेरणा एवं सार्थक श्रम से आध्यात्मिक गतिविधियों एवं कार्यशालाओं का क्रियान्वयन होता है। सभी चारित्रात्माओं को वन्दना एवं कृतज्ञता अवश्य अर्ज कराएं।

आने वाले भविष्य में आप और आपकी शाखा मंडल निरन्तर उन्नयन की दिशा में प्रगति करें, इन्हीं शुभकामनाओं सहित...

आपकी अपनी
नीलम सेठिया

जैनधर्मोस्तु मंगलम्

...A scientific approach of Jainism...

मुम्बई

7 अक्टूबर 2022 को साध्वीश्री निर्वाणश्रीजी ठाणा 5 के सान्निध्य में अभातेमम के तत्त्वावधान में तेमम मुम्बई द्वारा जैनधर्मोस्तु मंगलम् कार्यक्रम आयोजित किया गया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, जैन स्कॉलर डायरेक्टर डॉ. मंजू नाहटा, जैन स्कॉलर सह–डायरेक्टर श्रीमती कनक बरमेचा, जैन स्कॉलर डॉ. पुखराज सेठिया, निर्वतमान महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती निर्मला चंडालिया, रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ के साथ ही चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मदनलाल तातेड़, महामंत्री श्री सुरेंद्र कोठारी, मुख्य प्रबंधक श्री मनोहर गोखरू, अभातेयुप सहमंत्री श्री भूपेश कोठारी, तुलसी महाप्रज्ञ फॉउंडेशन के अध्यक्ष श्री विनोद बोहरा, मंत्री श्री मनीष कोठारी, कांदीवली सभाध्यक्ष श्री पारसमल दुगड़ आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण के स्वागत वक्तव्य पश्चात् महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने जैनधर्मास्तु मंगलम कार्यक्रम पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। श्री मदनलाल तातेड़ ने जैनत्व को जीवन में उतारने की आवश्यकता के बारे में कहा।

डॉ. मंजू नाहटा ने चित्रों में अनेकान्तवाद विषय पर प्रस्तुति दिया। अनेकान्तवाद को जैन धर्म की पृष्ठिभूमि बताते हुए चित्रों के जरिये उदाहरण सहित बेहतर ढंग से समझाया।

साध्वी श्री योगक्षेमप्रभा जी ने पुनर्जन्म एवं कर्मवाद को सरल भाषा में उदाहरण सहित समझाया। उन्होंने कई विद्वानों और वैज्ञानिकों का जिक्र किया जिन्होंने पुनर्जन्म की बात को सिद्ध किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने वीडियो के माध्यम से जमीकन्द का सेवन न करने की वजहों पर प्रकाश डाला व उसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को समझाया।

साध्वीवृन्द द्वारा सुन्दर गीतिका की प्रस्तुति पश्चात् डॉ. पुखराज सेठिया ने सम्यक् दर्शन के विभिन्न पहलुओं को वीडियो के जरिए विस्तार से समझाया। ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने कर्मवाद पर अपने विचार रखे।

साध्वीश्री निर्वाणश्री जी ने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि हम ज्ञान के साथ ही आचरण की पवित्रता को भी जोड़ें क्योंकि सिर्फ ज्ञान के भार को ढोने का कोई मतलब नहीं है।

आभार ज्ञापन पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा ने व संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती अलका मेहता ने किया। इस कार्यक्रम में सांताक्रूज महिलामण्डल संयोजिका ममताजी कोठारी , सह संयोजिका डिंपल जी परमार, मायाजी बाफना के साथ ही पूरी टीम ने प्रायोजक व सम्पूर्ण सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में लगभग 600 लोगों की उपस्थिति रही एवं यूट्यूब के माध्यम से 3000 से भी अधिक व्यक्ति लाभान्वित हुए।

FEED THE MIND

पाठशाला पुस्तकालय परियोजना

मुम्बई

7 अक्टूबर 2022 को तेमम मुम्बई द्वारा सरस्वती विद्या निकेतन स्कूल (पार्क साइट) में लाइब्रेरी का उदघाटन किया, जहां 800 बच्चे अध्ययनरत हैं।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, ट्रस्टी श्रीमती प्रकाशदेवी तातेड़, संरक्षिका श्रीमती शान्ता पुगलिया, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, डॉ पुखराज सेठिया, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, निवर्तमान महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण, स्थानीय मंत्री श्रीमती अल्का मेहता, सरस्वती विद्या निकेतन स्कूल के प्रिंसिपल श्री विशाल बंदगर, तेयुप अध्यक्ष श्री निखिल मेहता आदि की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम समायोजित हुआ।

अतिथियों का स्वागत स्थानीय संयोजिका श्रीमती सुचिता कोठारी ने, आभार ज्ञापन सह–संयोजिका श्रीमती नीलम मेहता ने एवं संचालन श्रीमती काजल परमार ने किया।

कन्या सुरक्षा सर्कल उद्घाटन समारोह

27 अक्टूबर 2022 को तेमम लाडनूं द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा सर्कल का उद्घाटन अभातेमम चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगाणी द्वारा हुआ। कन्या मंडल व महिला मंडल बहनों द्वारा संयुक्त गीतिका से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रीति घोषल ने सभी का स्वागत किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया द्वारा प्रेषित शुभकामनाओं का वाचन स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन बैद ने किया। अभातेमम चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगाणी, महासभा उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता श्रीमती मधु बैंगाणी ने की। इस अवसर पर तेमम लाडनूं द्वारा लगाए गए बेंच का उद्घाटन भी श्रीमती मधु बैंगाणी द्वारा किया गया। कन्या सुरक्षा सर्कल एवं बैंच की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती माला कातरेला, रा.का.स. श्रीमती अमिता नाहटा, श्री राजेंद्र सिंह कमांडो, श्राविका गौरव डॉ. माणक कोठारी, सुश्री कमला कठोतिया, डॉ. सुशीला बाफना की गरिमामय उपस्थिति रही।

कन्या मंडल से प्रतिष्ठा कोठारी एवं पार्षद रेणु कोचर ने कविता प्रस्तुत की। आभार स्थानीय मंत्री श्रीमती नीता नाहर ने किया। संचालन दक्षता व दिव्यता कोठारी ने किया।

'क्षितिज... असीम संभवनाओं के' आंचलिक कार्यशाला

पुणे

अभातेममं के तत्त्वावधान में 'क्षितिज... असीम सम्भावनाओं के' का आगाज तेममं पुणे द्वारा साध्वीश्री काव्यलताजी के सान्निध्य में किया गया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व महामंत्री श्रीमती तरुणा बोहरा, रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ एवं श्रीमती निर्मल चंडालिया की गरिमामय उपस्थिति रही।

प्रथम चरण में साध्वीश्रीजी के महामंत्रोच्चार से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय बहनों के मंगलाचरण के पश्चात् साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन स्थानीय मंत्री श्रीमती पायल धारेवा ने किया।

सभाध्यक्ष श्री महावीर कटारिया ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा कटारिया ने स्वागत वक्तव्य दिया। स्थानीय बहनों ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुत की। साध्वी श्री ज्योतियशाजी, साध्वी श्री सुरभिप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से मन की बात की प्रस्तुत की।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। स्थानीय बहनों ने अभातेममं के चार मुख्य योजनाओं का मोनो एक्ट प्रस्तुत किया। कन्या मंडल ने भी अत्यन्त सुन्दर प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों ने क्षितिज कार्यशाला के विभिन्न पहलुओं को उद्घाटित करते हुए बहनों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

द्वितीय चरण में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने अपने वक्तव्य में "I am blessed and Grow Gratitude" पर अपना अभिभाषण दिया।

साध्वी श्री काव्यलतजी ने 'स्वभाव का प्रभाव' पर प्रेरक उद्बोधन प्रदान किया। उपस्थित जैन महिला मंडल की बहनों के साथ रा.का.स. श्रीमती तरुणा बोहरा एवं श्रीमती जयश्री जोगड़ द्वारा स्वभाव का प्रभाव विषय पर प्रश्नोत्तर का रोचक सत्र हुआ।

प्रमुख अतिथि DCP श्रीमती प्रियंका ननवाले ने महिलाओं को परिवार का स्तम्भ बताया। महामंत्री मधुजी देरासरिया ने अभातेममं की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की। इस चरण का संचालन श्रीमती नीलम चोरड़िया एवं श्रीमती मनीषा चपलोत ने किया।

तृतीय सत्र में अभातेममं पूर्वाध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने Radiance : the Inner Glow विषय पर प्रेरक अभिव्यक्ति दी। रा.का.स. श्रीमती निर्मला चंडालिया ने Future Insights में अभातेममं की भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

समस्त शाखाओं के साथ खुला मंच सत्र में समस्त जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए समाधान दिया गया। स्थानीय मंत्री श्रीमती पायल धारेवा ने आभार व्यक्त किया।

'मंजिलें... Reach the Unreached' क्षेत्रीय कार्यशाला

इचलकरंजी

तेममं इचलकरंजी द्वारा साध्वीश्री प्रमिलाकुमारीजी की सन्निधि में क्षेत्रीय कार्यशाला मंजिलें...Reach the Unreached का आगाज हुआ। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया की अध्यक्षता में साध्वीश्री द्वारा महामंत्रोच्चार से कार्यशाला का शुभारम्भ हुआ। साध्वीश्रीजी ने अपने मंगल उद्बोधन में सकारात्मक सोच एवं आभार के भाव पर विशेष बल दिया।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने लक्ष्य निर्धारण के साथ लक्ष्य हासिल करने के मार्ग पर प्रशस्त होने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री आस्थाश्रीजी, साध्वीश्री विज्ञप्रभाजी, मुख्य अतिथि सौ. मौसमी आवाड़े ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

संकल्प गीत के साथ मंगलाचरण हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती जयश्री जोगड़ ने स्वागत भाषण दिया। सभाध्यक्ष श्रीमती महेन्द्र गिड़िया, तेयुप अध्यक्ष श्री महेश पटवारी ने शुभकामनाएं संप्रेषित की। महासभा कार्यसमिति सदस्य श्री दीपक बच्छावत, श्री करण सिंघवी, श्री पुष्पराज संकलेचा आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यशाला के दूसरे चरण में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने Future Insights में अभातेममं की भावी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। सभी के जिज्ञासाओं का समाधान भी दिया गया। संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती प्रज्ञा आंचलिया व श्रीमती रजनी पारख ने किया। आभार ज्ञापन श्रीमती नीता छाजेड़ ने किया।

जयसिंगपुर

तेममं जयसिंगपुर द्वारा क्षेत्रीय कार्यशाला मंजिलें...Reach the Unreached का आयोजन अभातेममं के तत्त्वावधान में किया गया। अध्यक्षता कर रही महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने महामंत्रोच्चार से कार्यशाला का शुभारम्भ किया। स्थानीय बहनों ने संकल्प गीत की प्रस्तुति दी। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू बरड़िया ने स्वागत भाषण दिया।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने विषय प्रतिपादन करते हुए कहा कि यह कार्यशाला मंजिल प्राप्ति की ओर एक सशक्त कदम है। रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ ने Future Insights में अभातेममं की भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही संस्था के संविधान एवं रजिस्टर संबंधित जानकारी भी देते हुए संस्था के सुचारू संचालन हेतु दिशा निर्देश भी दिए।

आभार ज्ञापन श्रीमती सुष्मिता बरड़िया ने तथा संचालन श्रीमती सपना रूणवाल ने किया।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

नवम्बर 2022

सन्दर्भ पुस्तक : धर्म है उत्कृष्ट मंगल (पृष्ठ संख्या 154 से 173)

एक शब्द में उत्तर दें

1. अध्यात्म – साधना का लक्ष्य क्या है?
2. जो प्रवृत्ति राग–द्वेष मुक्त रहती है वह किसका हेतु बन जाती हैं?
3. आगम–बत्तीसी में सबसे बड़ा आगम कौन सा है?
4. भगवान महावीर को देखने पर किसका मातृस्नेह उमड़ पड़ता है?
5. अठारहवें शतक में कौन से सेठ का वर्णन प्राप्त है?
6. द्वादशांगी श्रुत का परिचय कौन से सूत्र में भी दिया गया है?
7. ग्यारह अंगों में प्रथम अंग है?
8. आठवें अध्ययन का नाम क्या है?
9. प्रथम अध्याय में किसका उल्लेख है?
10. कौन से अध्याय में सात–सात की संख्यावाली स्थितियों का वर्णन है?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. वीतरागता की ..... में बाधाएं भी उत्पन्न होती रहती है।
12. मुक्त आत्मा पूर्णतया ..... है।
13. राग का अर्थ है – आसक्तिपरक .....
14. समवायांग और नन्दी के अनुसार इस आगम में ..... हजार प्रश्नों का व्याकरण है।
15. जीव जगत की विविधता और विचित्रता का कारण ..... है।
16. जयइ जगजीवजोणी–वियाणओ ..... जगाणंदो।
17. संक्षेप में ज्ञान के प्रकार है – प्रत्यक्ष और .....।
18. श्रुतज्ञान के अन्तर्गत ..... और अंगबाह्य आगमों का उल्लेख है।
19. आचारांग सूत्र का प्रारंभ आत्म ..... से होता है।
20. ..... प्राकृत भाषा की एक निधि है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया

मो. 9819418492, Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 नवम्बर 2022

Google Form Link : https://forms.gle/vtkXu7nTcaHdrKPR8 (Click here to go to Google Form)

अक्टूबर 2022 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. जिनेन्द्रपूजा	02.गुणानुराग	03. दशलक्षण	04. प्रमोद	05. प्रवृत्ति
06. तीन	07. कालप्रतिबद्ध	08. राग	09. मोहकर्म	10. आत्मानुशासन
11. आत्मवादी	12. मैत्री	13. समता	14. गहराई	15. सावद्य
16. संवर	17. कमियं	18. धर्मशाला	19. स्थितप्रज्ञ	20. अन्तर्मुखी

अक्टूबर 2022 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. इन्द्रा बडाला, वाशी
2. संतोष पींचा, सिकन्द्राबाद
3. कांता जैन, दिल्ली
4. डिम्पल लोढ़ा, सफाला
5. कुसुम बैद, खारूपेटिया
6. सरोज बरमेचा, श्री लंका
7. विजयश्री ललानी, जलगांव
8. बिजयश्री गंग, सिल्चर
9. सुश्री युक्ति कच्छारा, डोम्बिवली
10. सुश्री पूजा जैन, कालू

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को

प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹32,000

स्व. पिताजी
श्री बालचंदजी नौलखा
की स्मृति में
सुधा रमेश, नम्रता राहुल,
सुयांश नौलखा, मैसूरु

₹31,000

श्री छत्तरसिंहजी
श्रीमती प्रेमदेवी
श्री विनय, श्रीमती संगीता
बाफना
कोलकाता–सुजानगढ़

₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, पुणे	₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, रतनगढ़
₹12,000	तेरापंथ महिला मंडल, बलांगीर	₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, इचलकरंजी
₹11,000	स्व. मैना देवी नाहटा की पुण्य स्मृति में श्री ललितजी श्रीमती सुमन नाहटा, लाडनूं		
₹5,100	तेरापंथ महिला मंडल, टिटलागढ़	₹5,100	तेरापंथ महिला मंडल, कांटाबांजी

कर्म विज्ञान और कालूतत्त्वशतक (वर्ग-प्रथम व द्वितीय) पर आधारित बोर्ड गेम अब उपलब्ध

शाखा मंडल
उपरोक्त बोर्ड गेम्स
के ऑर्डर हेतु
श्रीमती सीमा बैद
मो. 8084020043
से सम्पर्क करें

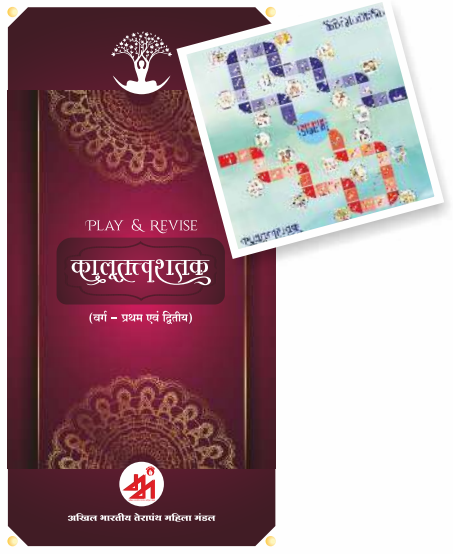

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com
महामंत्री कार्यालय

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com
कोषाध्यक्ष कार्यालय